Event Report

Event: Celebration of International Day of the Girl Child
Date: 11th October 2025
Theme: *"The girl I am, the change I lead: Girls on the frontlines of crisis"*
Venue: Baba Mastnath University, Rohtak
Organized by: Rovers and Rangers Unit, Baba Mastnath University

Objectives:

- To promote girls' empowerment and highlight their leadership in times of crisis.
- To encourage students to become active change-makers in their communities.
- To raise awareness about the rights and voices of girls.

Activities Conducted:

- Poster Making
- Slogan Writing
- Skit Presentation
- Dance Performances

Participation:

- Total Participants: **50 Rangers and Rovers**

- Faculty Members and Officials of Baba Mastnath University

Special Address: Vice-Chancellor, Baba Mastnath University

  - Highlighted the importance of girls' leadership and empowerment.
  - Motivated students to become responsible and active members of society.
  - Encouraged Rovers and Rangers to participate in activities that create social impact.

Key Highlights:

- Students delivered strong messages through creative expressions.
- Theme of girls' leadership and crisis response was effectively showcased.
- Active participation by Rangers and Rovers made the program a success.

Conclusion:

The celebration of International Day of the Girl Child at Baba Mastnath University was a grand success. It inspired students to recognize the power of girls as leaders and change makers. The event strengthened awareness about gender equality and created a spirit of unity, motivation, and empowerment among the participants.

BABA MASTNATH UNIVERSITY
Asthal Bohar, Rohtak, NH-10, NCR, Haryana

A MASTNATH U
Asthal Bohar, Rohtak, NH-10, NC
Utsav-E-Da
30, 2025 | TI
Organ
ulty of Phys
aculty of Nurs
Mastnath U

NH-10, NCR, Haryana
E-Dandiya
Your Dandiya Event
5 | TIME : 1:00 P.M. TO 6:00 P.M.
rganized by :
f Nursing & De
ent' Welfare,
ath University

MASTNATH UNIVE
Asthal Bohar, Rohtak, NH-10, NCR, Haryana
Utsav-
Dandiya
Dance Away
Dandiya Event
P.M. TO 6:00 P.M.
Faculty of Physiothera
Department of Student' Welfar
y, Rohtak

BABA MASTNATH UNIVERSITY
Asthal Bohar, Rohtak, NH-10, NCR, Haryana
Utsav-E-Dandiya
Organized by :

STRONG WOMEN
make the world
BETTER
be confident
LEAD WITHOUT
fear
BMU
NATARAJ

www.bmu.ac.in
Asthal Bohar, Rohtak, NH-10, NCR, Haryana
at Your Dandiya Event
TIME : 1:00 P.M. TO 6:00 P.M.

बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम

बेटियां अब हर क्षेत्र में साबित कर रहीं अपनी पहचान, उन्हें पूरा सम्मान और अवसर दें : वर्मा

भास्कर ब्यूरो

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आज भारत स्काउट और गाइड के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एच.एल. वर्मा ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुलपति प्रो. (डॉ.) एच.एल. वर्मा ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं, चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, खेल हो, विज्ञान हो या सेना। उन्होंने कहा कि "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक राष्ट्र निर्माण

की भावना है। हमारी बेटियां हमारी ताकत हैं। हमें उन्हें समान अवसर, शिक्षा और सुरक्षा प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। हमें बेटियों के अधिकार और सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए। समाज में समान अवसर देकर ही हम सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हर व्यक्ति बेटियों के सम्मान, संरक्षण और विकास के लिए अपना योगदान दे। डीन एकेडमिक डॉ. नवीन कुमार ने कहा कि बालिकाएं आज हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि हर बालिका में एक नई दिशा देने की क्षमता है। हमें उसके सपनों को प्रोत्साहन देने की जरूरत है ताकि वह समाज और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा सके। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि लड़कियों को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर देना केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक कर्तव्य भी है। कार्यक्रम में पोस्टर मेकिंग, नृत्य, स्किट, भाषण प्रतियोगिता और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। छात्राओं ने बालिका सशक्तिकरण और लैंगिक समानता पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिताओं में विजेताओं को कुलपति द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रोवर्स इंचार्ज डॉ. बबलू शर्मा, रेंजर इंचार्ज डॉ. इशू खंगवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भारत स्काउट और गाइड इकाई की टीम ने किया।

बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी में हुआ अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम

पल पल न्यूज: रोहतक, 11 अक्तूबर (दर्शन) । बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आज भारत स्काउट और गाइड के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एच.एल. वर्मा ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में अनेक सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुलपति प्रो. (डॉ.) एच.एल. वर्मा ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं, चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, खेल हो, विज्ञान हो या सेना। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक

राष्ट्र निर्माण की भावना है। हमारी बेटियां हमारी ताकत हैं। हमें उन्हें समान अवसर, शिक्षा और सुरक्षा प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। हमें बेटियों के अधिकार और सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए। समाज में समान अवसर देकर ही हम सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हर व्यक्ति बेटियों के सम्मान, संरक्षण और विकास के लिए अपना योगदान दे डीन एकेडमिक डॉ.?नवीन कुमार ने कहा कि बालिकाएं आज हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि हर बालिका में एक नई दिशा देने की क्षमता है। हमें उसके सपनों को प्रोत्साहन देने की जरूरत है ताकि वह समाज और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा सके।उन्होंने कहा कि यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि लड़कियों को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर देना केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक कर्तव्य भी है। कार्यक्रम में पोस्टर मेकिंग, नृत्य, स्किट, भाषण प्रतियोगिता और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। छात्राओं ने बालिका सशक्तिकरण और लैंगिक समानता पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिताओं में विजेताओं को कुलपति द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रोवर्स इंचार्ज डॉ. बबलू शर्मा, रेंजर इंचार्ज डॉ. इशू खंगवाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भारत स्काउट और गाइड इकाई की टीम ने किया।